











## लोकसभा चुनाव अंतिम चरण

लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण 1 जून को समाप्त हो जाएगा। इनिया का सबसे बड़ा चुनावी मुकाबला 1 जून को सातवें चरण के मतदान के साथ संपूर्ण हो जाएगा। इसके पहले हातों चले भारत अधिकार और निरेवाकी ने युद्ध का मैदान सजा रखा था जिसमें अनेक बादे और अपीलें को गई। प्रमुख गठबंधनों- 'राजग' और 'ईंडिया' ने मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तरीके से संदेश प्रसारित किए। जहां तक नारे गढ़ने का सवाल है निश्चित रूप से भारतीय नीति राजा आगे रहा। उसने मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के लिए अनेक आकर्षक नोट बनाए। उसका प्रचार अधियान मुख्य: 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' भावना पर केन्द्रित रहा। राजग के एक और नोट 'नवा भारत' का लक्ष्य एक प्रगतीशील एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र का दृष्टिकोण सामने रखना था। इसके साथ ही उसने 'आत्मनिर्भर भारत' का नारा दिया जिससे स्थानीय उद्घोंगे के विकास तथा विशेषी वस्तुओं पर निर्भरता घटाने के राजग के लक्ष्य का पता चलता है। इसके साथ ही राजग ने कुछ आकर्षक नोट 'नया' जूमले' भी उड़ाले ताकि उसे 'सबका चंचल स्थान' मिल सके। इसमें 'अबका बार 400 पार' तथा 'मोदी की गणराजी' शामिल हैं। राजग का चुनाव मुख्यतः उसके 'संकल्प पत्र' या चुनाव घोषणापत्र पर केन्द्रित रहा। इसमें अधिक प्रगति पर जोर देते हुए 'मेक इन ईंडिया', 'डिजिटल ईंडिया' तथा अर्थव्यवस्था की 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में प्राप्त उपलब्धियों को रेखांकित किया गया था। राजग गठबंधन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के अपने प्रयासों को भी रेखांकित किया था। राजग का स्पष्ट संदेश है कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए मजबूत नेतृत्व जरूरी है।

इस मामले में पीछे न रहने की प्रतीतेगति में 'ईंडिया' समूह ने भी मतदाताओं



के दिल तक पहुंचने के लिए अनेक नारे तैयार किए। मोदी सरकार की अलोकप्रिय नीतियों की आलोचना करने वाले नारों को प्रमुखता दी गई। विपक्ष ने अरोप लगाया कि भारतीय विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है। 'जय ब्रह्मा, जय किसान, जय संविधान' इसी भावना पर आधारित है। काशित विभाजनकारी नीतियों का सामना करने तथा देश के विविधांशु दांचों को जोड़ने के लिए 'भारत जोड़ो' का आह्वान किया गया। यह नारा राहुल गांधी की भारत जोड़ो पद बाटा से प्रेरित था। 'ईंडिया' का एक और आकर्षक नारा 'नवा' रहा जिसमें ऊंचाई को संबंधित करते हुए समाजांश विकास का बादा किया गया था। 'ईंडिया' गठबंधन ने स्वयं को संरक्षक, हाशियांत्रिक समुदायों की प्रगति पर प्रतिबद्ध, अल्पसंख्यकों के अधिकार विनिश्चित करने तथा जाति-आधारित व धार्मिक भेदभाव समाप्त करने वाले को तात्पर प्रेरित था।

'ईंडिया' का एक और आकर्षक नारा 'नवा' रहा जिसमें ऊंचाई को संबंधित करते हुए समाजांश विकास का बादा किया गया था। 'ईंडिया'

गठबंधन ने अरोप लगाया कि संरक्षक, हाशियांत्रिक समुदायों की प्रगति पर हाशियांत्रिक समुदायों को अधिकार विनिश्चित करने तथा जाति-आधारित व धार्मिक भेदभाव समाप्त करने वाले को तात्पर प्रेरित था।

4 जून को पता चलाया कि वास्तव में किसने मतदाताओं को प्रभावित किया।

# आरोपों-प्रत्यारोपों से भरा चुनाव

इस चुनाव में संवैधानिक मूल्यों से छेड़छाड़ के आरोप केन्द्र में रहे। इसके साथ ही कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का मुद्दा भी चर्चा का विषय रहा।

**शिवाजी सरकार**  
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार)  
हैं

**इस** चुनाव में संवैधानिक मूल्यों से छेड़छाड़ के आरोप केन्द्र में रहे। इसके साथ ही कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का मुद्दा भी चर्चा का विषय रहा। वर्तमान लोकसभा चुनाव एक प्रकार से सबसे विचित्र चुनाव रहा। इसमें कोई मतदाता बोल नहीं रहा था जिससे स्पष्ट है कि चुनाव में कोई 'लहर' नहीं थी। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के आधार पर बने नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रचारकों को चेतावनी दी। चुनाव में बहुत कीमियों और बेरोजगारी के साथ ही संविधान के रक्षा प्रमुख चित्तों के रूप में प्राप्त किया गया। चुनाव में संविधान के अधिकार संहिता के लिए जो लोगों के अधिकार छोड़ने जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए अरोप लगे कि लोगों के अधिकारों पर हमला हो रहा है, खासकर इस बात पर जोर दिया गया कि विलिंगों, ओबीसी, आक्रमक रहा और भाजपा तथा भाजपा नीति 'राजग' इन आयोगों के खंडन में व्यवस्था रहे। एक के बाद दूसरी रैलियों में भाजपा और राजग नेताओं ने इन आयोगों का खंडन करते हुए अप्रैल के लिए इरादा रखते हैं। इसके साथ ही विपक्ष को जो लोगों के अधिकारों को बदलने की चाही दी गई। एक के बाद दूसरी रैलियों में भाजपा और राजग नेताओं ने इन आयोगों का खंडन किया कि वे संविधान बदलने तथा उसके मूलतूप सिद्धान्तों में बदलाव का काइ इरादा रखते हैं। इसके साथ ही विपक्ष को जो लोगों के अधिकारों को बदलने की चाही दी गई।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।

भाजपा ने इन आयोगों का खंडन करते हुए कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में चली दस साल सरकार ने अनेक उमड़ती भीड़ बहुत कुछ कहती है। चुनाव अधिकार का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल उद्योगों को निजी उद्योगपत्रियों को बेचने का इरादा रखती है।





# ईडी के सात जून तक पूरक आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को प्रवर्तन निवेशलाय (ईडी) को भारतीय रेलवे में कथित तौर पर नौकरी के बदले जैसा घोटाला से संबंधित धनशोधन मामले में सत् जून पूरक आरोप-पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। कथित घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उत्के परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोग्यने ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में कार्यालय के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने के बारे में पूछा है। न्यायाधीश ने कहा कि सभी आरोपियों के विलाफ आरोप धनशोधन की कथित घोटी में परस्पर जुड़े थे और लेन-देन का एक समूह है, भले ही ए अब तक आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली तारीख के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने के बारे में बोला। अदालत ने कहा कि ईडी के बकाले ने बार-बार कहा है कि आगे की जांच अग्रिम चरण में है और जल्द ही पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि 12 अप्रैल को पारित अपेक्षा आदालत में अदालत ने ईडी को दो सप्ताह के भीतर किसी भी शेष जांच को अंतिम रूप देने का प्रयास करने का निर्देश दिया था।

हालांकि, आज तक कोई और पूरक आरोप-पत्र दायर नहीं किया गया। न्यायाधीश

## ● ऐलवे ने नौकरी के बदले जगीनी का नामला

ने कहा, यह अदालत उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार संसदीयविधायकों से जांच वाले लालू प्रसाद के बिलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। कथित घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उत्के परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोग्यने ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में कार्यालय के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने के बारे में पूछा है। न्यायाधीश ने कहा कि सभी आरोपियों के विलाफ आरोप धनशोधन की कथित घोटी में परस्पर जुड़े थे, और लेन-देन का एक समूह है, भले ही ए अब तक आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली तारीख के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि 12 अप्रैल को पारित अपेक्षा आदालत में अदालत ने ईडी को दो सप्ताह के भीतर किसी भी शेष जांच को अंतिम रूप देने का प्रयास करने का निर्देश दिया था।

हालांकि, आज तक कोई और पूरक आरोप-पत्र दायर नहीं किया गया। न्यायाधीश

द्वारा अतिरिक्त बक्तव्य मांगे जाने पर नाखुशी जाती है। सीधीबीआई ने मार्च में तीन आरोपियों- अपोक कुमार, बवीता और भोला यादव के विलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया था। अपोक कुमार एवं बवीता प्रत्याशी हैं, जबकि भोला यादव उसे प्रसाद के निर्जी सवित्रिथे, जब यादव सुरीमो रेल मंत्री थे। अदालत ने इस मामले में 28 फरवरी को लालू प्रसाद की पूर्व मुख्यमंत्री गवर्णर देवी, उनकी बेटियों- मीमा भारती एवं जया यादव का वर्तमान प्रसाद मंत्री थे। अदालत ने इस मामले में 2004 और 2009 के बीच कई लोगों के भूखंडों के एवज में भारतीय रेलवे के विभिन्न संभागों में डी भी आरोपियों के परिवार से जांच को लेकर इस समूह में नौकरियाँ दी गई थी। नौकरी की खातिर इन लोगों ने प्रसाद के परिवार के सदस्यों को बहुत दम पर ए भूखंड बेचे थे। तब लालू प्रसाद संयुक्त प्रांतीय मर्गदर्शन (संस्था) की परलोनी सकारार में रेल मंत्री थे। प्रवरत निवेशलाय भी कथित धनशोधन के लेकर इस मामले की खातिर परीक्षा पास करने का आशासन दिया जाएगा।

न्यायाधीश ने 29 मई को कथित घोटाले में अंतिम रूप पत्र दाखिल करने में दो लोगों के लिए केंद्रीय अवेंयों ब्यूरो (सीधीबीआई) की खिंचाई की थी। विशेष न्यायाधीश ने आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए हर तारीख पर सीधीबीआई

## भारक विज्ञापन देने के लिए कोरिंग संस्थान पर जुर्माना लगा

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीधीबीआई) ने भारक विज्ञापन देने के लिए कोरिंग संस्थान मलूब आईएएस पर सह जून तक लाख सह एक का जुर्माना लगाया है। सखरवरी निकाल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीधीबीआई ने पाया कि मलूब का आईएएस ने अपने विज्ञापनों में ड्राइ लिए गए पालटक्रमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई। उन्हें दावा किया था कि उन्होंने प्रतिविवरण द्वारा विवरणीय संभावनाओं (सीधीबीआई) में सफलता पूर्वापी है।

द्वारा अतिरिक्त बक्तव्य मांगे जाने पर नाखुशी जाती है। सीधीबीआई ने आरोपियों के बारे आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली तारीख के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में कार्यालय के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने के बारे में पूछा है। न्यायाधीश ने कहा कि अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

न्यायाधीश ने कहा कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली

## शाह ने पूर्वोत्तर के बाढ़ प्रभावित राज्यों का जायजा लिया, हरसंभव मदद का आवधासन दिया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री ने पांचों गण्डों की संख्या में लोगों के सुख्यमंत्रियों से भी बात की और उन्हें हस्तांभ भवद का आशासन देते हुए स्थिति का जायजा लिया उठाने के लिए कोरिंग संस्थान मलूब आईएएस पर तीन लाख सह एक का जुर्माना लगाया है। सखरवरी निकाल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीधीबीआई ने पाया कि मलूब का आईएएस ने अपने विज्ञापनों में ड्राइ लिए गए पालटक्रमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई। उन्हें दावा किया था कि उन्होंने प्रतिविवरण द्वारा विवरणीय संभावनाओं (सीधीबीआई) में सफलता पूर्वापी है।

द्वारा अतिरिक्त बक्तव्य मांगे जाने पर नाखुशी जाती है। सीधीबीआई ने आरोपियों के बारे आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली तारीख के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में कार्यालय के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने के बारे में पूछा है। न्यायाधीश ने कहा कि अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

न्यायाधीश ने कहा कि अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

## असम की बायक घाटी में बाढ़ के लिए एल एवं सड़क संपर्क बाधित

पटना के बेरोजगार घायवाला चायपाले के साथ द्वारा अतिरिक्त बक्तव्य मांगे जाने पर नाखुशी जाती है। सीधीबीआई ने आरोपियों के बारे आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली

तारीख के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

पटना के बेरोजगार घायवाला चायपाले के साथ द्वारा अतिरिक्त बक्तव्य मांगे जाने पर नाखुशी जाती है। सीधीबीआई ने आरोपियों के बारे आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली

तारीख के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

पटना के बेरोजगार घायवाला चायपाले के साथ द्वारा अतिरिक्त बक्तव्य मांगे जाने पर नाखुशी जाती है। सीधीबीआई ने आरोपियों के बारे आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली

तारीख के दौरान के बारे ईडी को जांच पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

पटना के बेरोजगार घायवाला चायपाले के साथ द्वारा अतिरिक्त बक्तव्य मांगे जाने पर नाखुशी जाती है। सीधीबीआई ने आरोपियों के बारे आगे बढ़ा गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की आली सुनाई के लिए सात जून को तारीख तय करने हुए ईडी को वह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र आगली</





